Restylane®

Skin care for 40+ in winters:
Good Health, January - March, 2014

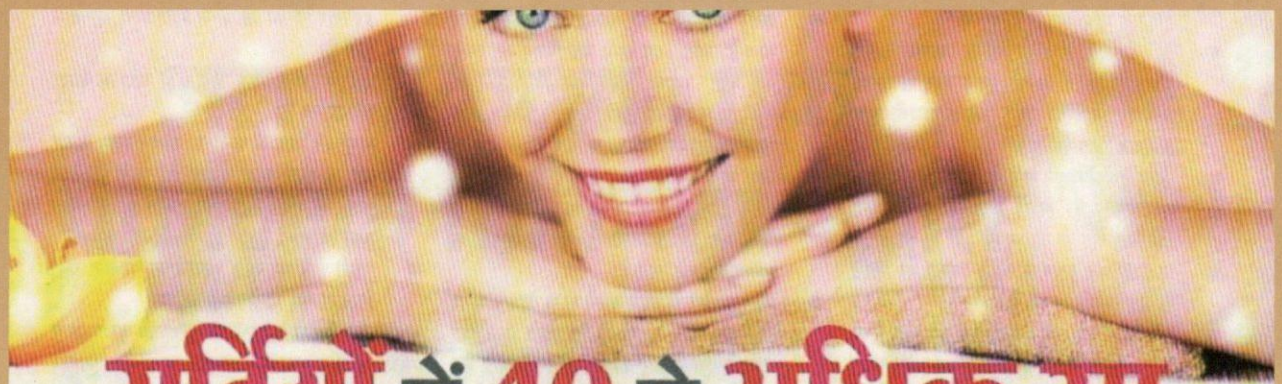

सर्दियों में 40 से अधिक उम्र वालों के लिए त्वचा की देखभाल

एक कहावत है कि उम्र बढ़ने के साथ ही बद्धिमानी और खशियां बढती हैं। लेकिन हमारी त्वचा भी हमारी तरह बूढ़ी होती जाती है। एक निश्चित समय के बाद एक बड़ी समस्या है। हमेशा आपको हाथ या मुंह धोने की जरूरत पड़ती है क्योंकि आपको

एजिंग पद्धतियों एवं उत्पादों के इस्तेमाल की भी जरूरत पड़ती है।

त्वचा की नमी एवं हाइड्रेशन के लिए उचित दिनचर्या का पालन करना पड़ता है। आप रेस्टीलेन वायटल स्किनबूस्टर्स जैसी पद्धति भी अपना सकते हैं, जो एक एसिड आधारित जेल होता है और जिसे त्वचा की ऊपरी परत में इंजेक्ट किया जाता है। इससे त्वचा को गहराई तक नमी एवं पोषण मिलता है।

आइए, त्वचा की देखभाल संबन्धी जरूरी कार्यों पर एक नजर डालें:

क्लींजिंग, टोनिंग, मॉइश्चराइजिंग और सनब्लॉक :

आपकी उम्र चाहे जो भी हो, त्वचा की देखभाल के लिए आपको कुछ निश्चित बुनियादी बातों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

त्वचा की चमक और कोमलता बरकरार रहती है।

गर्दन, हाथ और एड़ियों के लिए जरूरी क्या है?

आम तौर पर हम सभी अपने चेहरों की देखभाल पर ही केंद्रित रहते हैं लेकिन कभी-कभी हमें गर्दन और हाथों पर भी उतना ही ध्यान देने की जरूरत पड़ती है। कोई आश्चर्य नहीं कि आपकी उम्र वाले लोग शरीर के इन हिस्सों की सबसे ज्यादा अनदेखी करते हैं। सर्दियों में इन अंगों की त्वचा शुष्क और पपड़ीदार हो जाती है। त्वचा की नियमित देखभाल की अपनी दिनचर्या के दौरान चेहरे से इतर के हिस्सों में गर्दन और हाथों की देखभाल भी सुनिश्चित करें। यह देखभाल क्लींजिंग, टोनिंग, मॉइश्राइजिंग और सनस्क्रीन जैसे उपायों से की जा सकती है। जितनी बार आप हाथ धोएं, उसमें मॉइश्चराइज़र जरूर लगाएं। यदि आप कपड़े धो रहे हैं तो दस्ताने

का एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो पानी को रोककर रखने के कारण डर्मिज में हाइड्रेशन का स्तर बरकरार रखता है। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ ही हमारी त्वचा में हयालुरोनिक एसिड का भंडार कम होने लगता है और त्वचा क्षीण एवं शुष्क नज़र आने लगती है।

रेस्टीलेन वायटल स्किनबूस्टर्स नए जमाने की उपचार पद्धति है जो त्वचा को अंदरूनी हिस्से तक नमीयुक्त रखती है और त्वचा की खोई नमी वापस लौटाती है क्योंकि यह एक हयालुरोनिक एसिड पर आधारित उत्पाद है। इस पद्धति में माइक्रोइंजेक्शन का इस्तेमाल करते हुए त्वचा की बाहरी परत में स्टेबिलाइज्ड हयालुरोनिक एसिड का जेल पिरोया जाता है और यह जेल त्वचा को अंदरूनी हिस्से तक स्वाभाविक रूप से हाइड्रेट बनाए रखता है। इससे त्वचा की बाहरी परत पर नजर आने वाली बारीक झुर्रियां भर जाती हैं और त्वचा न सिर्फ अधिक जवां हो जाती हैं बल्कि त्वचा को हाइड्रेट बनाए रखने में भी इसकी अहम भूमिका होती है। इसके जरिये सर्दियों के दौरान